International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 10 Issue 6, Nov-Dec, 2022, Impact Factor: 7.326

सोनभद्र जिले के हाई स्कूल स्तर के छात्रों का अकादमिक सम्पादन और सामाजिक वातावरण का सह-संबंधपरक अध्ययन।

प्रेम नाथ[1], डॉ. हेमचंद्र ल. ससाने[2]

[1]एम. एड. प्रशिक्षणार्थी (शिक्षा विभाग), महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र
[2]सहायक आचार्य (शिक्षा विभाग), महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

परिचय

हमारे देश में शिक्षा की परंपरा बहुत ही प्राचीन रही है। शिक्षा का मुख्य उदेश्य मनुष्य का सर्वांगीण विकास करना है। शिक्षा को ज्ञान अर्जन के लिए आवश्यक माना जा रहा है जिससे की व्यक्ति की सर्वांगीण विकास हो सकें। और वह बेहतर समाज और देश का निर्माण कर सकें। वैसे तो भारत प्राचीन काल से ही शिक्षा का केंद्र रहा है परंतु यह शिक्षा जाती वर्ग या वर्ण व्यवस्था में विभाजित थी एक ओर उच्च वर्ग जाती के लोगों को शिक्षा का पूर्ण अधिकार था तो दूसरी ओर किसी भी निम्न वर्ग जाती के लोगों को शिक्षा का कोई अधिकार नही था। जिससे आज भी हमारे देश में सामाजिक मतभेद (शिक्षित, अशिक्षित, उच्च एवं निम्न सामाजिक स्तर) देखने को मिलती है। परंतु आज हमारा देश में सभी को एक समान शिक्षा देने का प्रावधान है और लोगों का शिक्षा के माध्यम से शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति सुधार भी रहा हैं फिरभि कुछ लोग किसी कारणवस शिक्षा से वंचित हो जाते हैं इसलिए उनका सामाजिक स्थिति भी दयनीय ही रहता है। इसलिए सर्व शिक्षा अभियान एवं निःशुल्क शिक्षा जैसे कई योजनाएँ चलाये जा रहे हैं जिससे की कोई भी शिक्षा से वंचित न रह जाये।

वर्तमान समय में प्रतिस्पर्धा का समय चल रहा है। और हर कोई एक दूसरे से आगे बढ़ने की प्रक्रिया में लगा हुआ है चाहे वो शैक्षिक स्थिति हो, सामाजिक स्थिति हो, या आर्थिक स्थिति हो व्यक्ति सभी चीजों में एक दूसरे से आगे बढ़ना चाहता है। यह प्रतिस्पर्धा हमें विद्यालयों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं आस-पास के समाज आदि में देखने को मिलती है। प्रतिस्पर्धा की इस दौड़ में विद्यालय अहम भूमिका अदा कर रही है। आज के समय में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के साथ-साथ अनुकूल सामाजिक वातावरण की भी आवश्यकता है तथा इसके लिए विद्यालय एक महत्वपूर्ण स्थान है। प्रस्तुत शोध विषय का चुनाव इसी को ध्यान में रखकर किया गया है।

- **शोध विषय शीर्षक - सोनभद्र जिले के हाई स्कूल स्तर के छात्रों का अकादमिक सम्पादन और सामाजिक वातावरण का सह-संबंधपरक अध्ययन।**
- **शोध उदेश्य**

1. हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के अकादमिक सम्पादन और उच्च सामाजिक स्तर एवं निम्न सामाजिक स्तर के वातावरण का सह-संबंध का अध्ययन।

2. हाई स्कूल स्तर के बालकों का अकादमिक सम्पादन और उच्च सामाजिक स्तर एवं निम्न सामाजिक स्तर के वातावरण का सह-संबंध का अध्ययन।

3. हाई स्कूल स्तर के बालिकाओं का अकादमिक सम्पादन और उच्च सामाजिक स्तर एवं निम्न सामाजिक स्तर के वातावरण का सह-संबंध का अध्ययन ।

- **शोध परिकल्पना**(H0)

(1) हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों का अकादमिक सम्पादन और उच्च एवं निम्न सामाजिक स्तर के वातावरण के सह-संबंध में सार्थक अंतर है ।

(2) हाई स्कूल स्तर के बालक एवं बालिकाओं का अकादमिक सम्पादन और सामाजिक स्तर के वातावरण के सह-संबंध मे सार्थक अंतर है ।

- **न्यादर्श**

समय और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए शोधार्थी द्वारा अध्ययन हेतु विद्यालय का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया है । प्रतिदर्श के रूप में राजकीय इंटर कॉलेज चपकी, रजिकिय उ. मा. विद्यालय चौना, दक्षिणंचल ग्रामोद्य इंटर कॉलेज बभनी और जनता इंटर कॉलेज बभनी के कुल 100 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया जो कक्षा 9वीं एवं 10वीं में पढ़ते हैं।

- **शोध उपकरण**

अनुसंधान कार्यमें आंकड़ों का संग्रहण करने के लिए शोध उपकरण अथवा प्रविधियों की आवश्यकता पड़ती है । जिसके माध्यम से शोधकर्ता आंकड़ों का संकलन करता है । प्रस्तुत शोध में उपकरण के रूप में शोधकर्ता द्वारा स्व-निर्मित (अकादमिक सम्पादन और सामाजिक वातावरणसे सम्बंधित) प्रश्नावली का प्रयोग किया गया । शोधार्थी द्वारा सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक वातावरण जानने के लिए दो प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है ।

- **अध्ययन के मुख्य परिणाम एवं निष्कर्ष**

1. हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के अकादमिक सम्पादन और उच्च सामाजिक स्तर एवं निम्न सामाजिक स्तर के वातावरण का सह-संबंध का अध्ययन।

हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के अकादमिक सम्पादन का अध्ययन।

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की विभिन्न विषय एवं क्षेत्रों जैसे विद्यार्थियों की पिछली कक्षा मे प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है जिसमे सर्वाधिक छात्र 60% से 80% के मध्य है । कुल छात्रों में सर्वाधिक छात्र पिछली कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए हैं 61%-80% के मध्य कुल छात्रों का 82% है । और इस प्रकार कि पसंदीदा विषय में सर्वाधिक छात्र ऐसे हैं जो हिन्दी और अँग्रेजी पढ़ना पसंद करते हैं जो क्रमशःकुल छात्रों में 34%, 31% है अपेक्षाकृत गणित और विज्ञान में कम है । और सामाजिक विज्ञान में कुल छात्रों का मात्र 4% है । और अगर विद्यार्थियों के द्वारा निर्धारित लक्ष्य कि बात करें तो सर्वाधिक छात्र ऐसे हैं जो शिक्षक और डॉक्टर बनना चाहते हैं जो सम्पूर्ण विद्यार्थियों का क्रमशः 31% और 28% है शेष छात्र व्यापार, इंजीनियर, समाज सेवा, प्रशासनिक सेवा, खेल एवं संगीत क्षेत्र में जाना चाहते हैं । अतः निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है की हाईस्कूल स्तर के छात्रों में सभी क्षेत्रों में रुचि है किन्तु वह हिन्दी, अँग्रेजी एवं शिक्षक व डॉक्टर के प्रति अन्य विषयों की तुलना में उच्च स्तर की अभिवृद्धि रखते हैं ।

हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक वातावरण का अध्ययन-:

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की सामाजिक स्तर के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों के अभिभावकों की शैक्षिक योग्यता, व्यवसाय एवं उनके घर के प्रकार से स्पष्ट होता है कि सरकारी एवं गैर-सरकारी हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों का सामाजिक स्तर एक जैसा ही है तथा उच्च सामाजिक स्तर के सर्वाधिक छात्र के अभिभावक 83% शिक्षित हैं और व्यापार या सरकारी नौकरी में मात्र 15% हैं । इसी तरह निम्न सामाजिक स्तर में 17% छात्रों के अभिभावक अशिक्षित है और कृषि और मजदूरी 85% अभिभावक करते हैं । अतः सोनभद्र के बभनी क्षेत्र में अभी भी अच्छी शिक्षा की आवश्यकता है जिससे यहाँ का सामाजिक स्तर को सुधारा जा सके । अतः निष्कर्ष के तौर पर यह कह सकते हैं की हाईस्कूल स्तर के सर्वाधिक छात्रों के अभिभावक शिक्षित है परंतु सर्वाधिक अभिभावक कृषि कार्य करते है अर्थात इस क्षेत्र के सभी सामाजिक वर्ग के अभिभावक सभी क्षेत्र मे रुचि रखते है किन्तु कृषि कार्य में अधिक हैं और इनके घर की बात करें तो सर्वाधिक घर कच्चे अर्थात मिट्टी की बनी होती है ।

2. हाई स्कूल स्तर के बालकों का अकादमिक सम्पादन और उच्च सामाजिक स्तर एवं निम्न सामाजिक स्तर के वातावरण का सह-संबंध का अध्ययन।

हाई स्कूल स्तर के बालकों का अकादमिक सम्पादन का अध्ययन-:

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की कक्षा 9वीं एवं 10वीं के बालक वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि कुल बालकों में सर्वाधिक बालक पिछली कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले की श्रेणी में 77.77% हैं जो 61%-80% के मध्य हैं । इसी प्रकार छात्रों कि पसंदीदा विषय में सर्वाधिक छात्र ऐसे हैं जो गणित और विज्ञान पढ़ना अधिक पसंद करते हैं जो क्रमशःकुल छात्रों में 27.77%, 25% है और इसके विपरीत सा.विज्ञान और अँग्रेजी, हिन्दी में कम है क्रमशः 8.33%,16.66%, 22.22% है । और विद्यार्थियों के द्वारा निर्धारित लक्ष्य में सर्वाधिक छात्र सुरक्षा बल 27.77% और शिक्षक 25% बनना चाहते हैं और कुल छात्रों का 16.66% छात्र इंजीनियर बनना चाहते हैं तथा 11.11% छात्र डॉक्टर बनना चाहते हैं शेष छात्र व्यापार, समाज सेवा, प्रशासनिक सेवा, खेल एवं संगीत क्षेत्र में जाना चाहते हैं । अतः निष्कर्ष के रूप में यह कह सकते है की हाईस्कूल स्तर के छात्र सुरक्षा गणित, विज्ञान पढ़ना इन्हे ज्यादा पसंद है और सुरक्षा बल एवं शिक्षक बनने में अधिक रुचि रखते है ।

हाईस्कूल स्तर के बालकों का सामाजिक वातावरण का अध्ययन-:

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की हाईस्कूल स्तर के बालकों का उच्च सामाजिक स्तर के छात्र के अभिभावक शिक्षित 66.66% हैं परंतु व्यापार या सरकारी नौकरी में मात्र 8.33% हैं। इसी तरह निम्न सामाजिक स्तर में 33.33% छात्रों के अभिभावक निरक्षर (अशिक्षित) है और कृषि और मजदूरी 91.66% अभिभावक करते हैं। इस क्षेत्र में अभी भी72.22% छात्रों के घर मिट्टी की है इसलिए यहाँ उच्च शिक्षा की आवश्यकता है जिससे यहाँ का सामाजिक स्तर को सुधारा जा सके। अतः निष्कर्ष के रूप में कह सकते हैं की हाईस्कूल स्तर के छात्रों के अभिभावक लगभग सभी क्षेत्रों में अभिवृति रखते हैं किन्तु कृषि में अधिक है। और इस क्षेत्र में सर्वाधिक छात्र उच्च सामाजिक स्तर के अपेक्षा निम्न सामाजिक स्तर के हैं।

3. हाई स्कूल स्तर के बालिकाओं का अकादमिक सम्पादन और उच्च सामाजिक स्तर एवं निम्न सामाजिक स्तर के वातावरण का सह-संबंध का अध्ययन।

हाई स्कूल स्तर के बालिकाओं का अकादमिक सम्पादन का अध्ययन-:

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की हाईस्कूल स्तर केबालिका वर्ग की शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि कुल बालिकाओं में सर्वाधिक छात्रा पिछली कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए हैं 61%-80% के मध्य कुल छात्रों का 84.37% है। इसी प्रकार छात्राओं कि पसंदीदा विषय कि बात करें तो सर्वाधिक छात्रा ऐसे हैं जो हिन्दी और अँग्रेजी पढ़ना ज्यादा पसंद करती हैं जो क्रमशः कुल छात्राओं का 40.62%, 39.37% है और इसके विपरीत सा.विज्ञान और गणित, में कम है क्रमशः 1.56%,7.81% है। और अगर छात्राओं के द्वारा निर्धारित लक्ष्य कि बात करें तो यह पता चलता है की सर्वाधिक बालिका डॉक्टर 37.5% और शिक्षक 34.37% बनना चाहती हैं। अतः निष्कर्ष के रूप में कह सकते हैं हाईस्कूल स्तर के बालिका सभी विषय में रुचि रखते है किन्तु हिन्दी और अँग्रेजी में अधिक रुचि रखती हैं और ये भविष्य में डॉक्टर एवं शिक्षक बनना चाहती हैं।

हाई स्कूल स्तर के बालिकाओं कासामाजिक वातावरण का अध्ययन-:

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम के उपरांत शोधार्थी ने पाया की हाईस्कूल स्तर के बालिकाओं के सामाजिक स्तर में उच्च सामाजिक स्तर के छात्राओं के अभिभावक शिक्षित 92.18% हैं परंतु व्यापार या सरकारी नौकरी में मात्र 18.75% हैं । इसी तरह निम्न सामाजिक स्तर में 7.81% छात्रों के अभिभावक निरक्षर (अशिक्षित) है और कृषि और मजदूरी 81.25% अभिभावक करते हैं। अतः सोनभद्र के बभनी क्षेत्र में अभी भी अच्छी शिक्षा की आवश्यकता है जिससे यहाँ का सामाजिक स्तर को सुधारा जा सके। अतः निष्कर्ष के रूप में यह कह सकते हैं की हाईस्कूल स्तर के बालिका के अभिभावक सभी क्षेत्रों में रुचि रखते हैं किन्तु सर्वाधिक अभिभावक कृषि कार्य अधिक करते हैं और रहने के लिए मिट्टी घर होती है यहा के सभी वर्गों अधिकांशतः मिट्टी का ही होता है इनमे से 56.68% ऐसे छात्रा हैं जिनके पास मिट्टी का मकान हैं फिरभि ये बालिका सभी क्षेत्रों में जाना चाहती हैं।

निष्कर्ष

प्रस्तुत लघुशोध में संकलित आंकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित है-

1. हाईस्कूल (9वीं एवं 10वीं) स्तर के विद्यार्थियों की अकादमिक सम्पादन में पाया गया कि छात्रों कि रुचि हिन्दी और अँग्रेजी के प्रति उच्च स्तर पर अधिक है। इसी प्रकार सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते हैं।

2. हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों अकादमिक सम्पादन के रूप में लक्ष्य (भविष्य में) के प्रति रुचि शिक्षक और डॉक्टर बनने के प्रति उच्च स्तर पर अधिक है। और संगीत के प्रति निम्न स्तर की रुचि रखते हैं।

3. हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों की उच्च सामाजिक स्तर में पाया गया की विद्यार्थियों के अभिभावकों की व्यावसाय में व्यापार एवं सरकारी नौकरी है और जिनके पास पक्का मकान, और एकल परिवार से संबंध रखते हैं तथा पढे-लिखे अभिभावक हैं।

4. हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों की निम्न सामाजिक स्तर में पाया गया की विद्यार्थियों के अभिभावकों की व्यावसाय कृषि है जो कि उच्च स्तर की अभिवृति रखते हैं। जिनके पास कच्चा मकान, एवं संयुक्त परिवार से संबंध रखते हैं तथा इनकी शिक्षा निम्न स्तर का पाया गया है।

5. हाईस्कूल स्तर के बालकों की अकादमिक सम्पादन के रूप में पाया गया कि छात्रों कि रुचि गणित और विज्ञान के प्रति उच्च स्तर पर अधिक है। इसी प्रकार सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखते हैं।

6. हाईस्कूल स्तर के बालकों की अकादमिक सम्पादन के रूप में लक्ष्य (भविष्य में) के प्रति रुचि सुरक्षा बल (आर्मी, पुलिस) और शिक्षक बनने के प्रति उच्च स्तर पर रुचि रखते हैं। और संगीत के प्रति निम्न स्तर की रुचि रखते हैं।

7. हाईस्कूल स्तर के बालकों की उच्च सामाजिक स्तर में पाया गया की अभिभावकों की व्यावसाय में व्यापार एवं सरकारी नौकरी है और जिनके पास पक्का मकान, और एकल परिवार से संबंध रखते हैं तथा पढे-लिखे अभिभावक हैं।

8. हाईस्कूल स्तर के बालकों की निम्न सामाजिक स्तर में पाया गया की अभिभावकों की व्यावसाय कृषि है जो कि उच्च स्तर की अभिवृति रखते हैं। जिनके पास कच्चा मकान, एवं संयुक्त परिवार से संबंध रखते हैं तथा इनकी शिक्षा निम्न स्तर का पाया गया है।

9. हाईस्कूल स्तर के बालिकाओं की अकादमिक सम्पादन के रूप में पाया गया कि छात्राओं की रुचि हिन्दी और अँग्रेजी के प्रति उच्च स्तर की रुचि रखती हैं। इसी प्रकार सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति निम्न स्तर की अभिवृति अधिक रखती हैं।

10. हाईस्कूल स्तर के बालिकाओं की अकादमिक सम्पादन के रूप में लक्ष्य (भविष्य में) निर्धारित के प्रति रुचि शिक्षक और डॉक्टर के लिए उच्च स्तर पर रुचि रखती हैं। और संगीत के प्रति निम्न स्तर की रुचि रखती हैं।

11. हाईस्कूल स्तर के बालिकाओं की उच्च सामाजिक स्तर में पाया गया की अभिभावकों की व्यावसाय में व्यापार एवं सरकारी नौकरी है और जिनके पास पक्का मकान, और एकल परिवार से संबंध रखते हैं तथा पढे-लिखे अभिभावक हैं।

12. हाईस्कूल स्तर के बालिकाओं की निम्न सामाजिक स्तर में पाया गया की अभिभावकों की व्यावसाय कृषि है जो कि उच्च स्तर की अभिवृति रखते हैं। जिनके पास कच्चा मकान, एवं संयुक्त परिवार से संबंध रखते हैं तथा इनकी शिक्षा निम्न स्तर का पाया गया है।

ग्रंथ सूची

[1]. वर्मा .मृदुला (2017) , सी.बी. एस .सी. एवं सी .जी बोर्ड के विद्यार्थियों के संवेगिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना | International Research Journal of Management. Sociology and Social Science.
[2]. सिंह . तिर्मल (2016), “ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की आत्मसिद्धि एवं समायोजन का विश्लेषण | International Journal of Research In Humanities and Social Science
[3]. कुमार . संदीप , (2017) “ नैतिक एवं संवेगात्मक विकास में मीडिया की भूमिका | भारतीय आधुनिक शिक्षा 2017
[4]. चतुर्वेदी शिखा , उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर सांवेगिक बुद्धिमता के प्रभाव का अध्ययन
[5]. ठाकुर बसंती (2012) “ किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन क्षमता पर उनके समाजार्थिक स्तर के प्रभाव का अध्ययन” SCERT छात्तिसगढ़
[6]. सिंह, बलवान (2018) माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन राजस्थान
[7]. वर्मा, डॉ. एल. एन. (2014)- भारतीय समाज में शिक्षा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
[8]. राय, पि.एन. (1993)- अनुसंधान परिचय, लक्ष्मी नारायण प्रकाशन, आगरा